हो भाषा का सामान्य परिचय

दिशुम रे एसु पुरःअ् जाति मेनः कोवा। इपन-इपन जाति कोवः इपन-इपन हयम मेनः। एनकाते हो दिशुम हो होन कोवः हयमोऽ हो हयम गे तना।

पिरिका जंग रे हयम पिटिका लेका ते चपुइ रे चपुं नमोः तना चि हो हयम दो आइदाकांड़ रेयः हयम तना। हो हयम रेयः लिपि चिति बकाणा ओण्डोः सनागोय को तिसङो अचर लेका गे एसु बुगि लेका ते सागोम सोञ्जोकोवा कना। एना मेन्ते हयम पिटिका रेन बिदुवा-मैक्समुलर तिकिङ काञि केडा चि :- Kol langudge it the richest language in the world and Kol Language is the root Language of the other Language.

हो हयम ऑस्ट्रिक हयम गुटि रेयः हयम तना। चिलिका लतार रे इंगुला कन चागांह रे नेलाः तना :-

तिसिङ नेन लेकाते हो हयम रेयः कुसीनमा चि चाँगाह् को बु नेल दइयः। मिडो गुटि रेयः हयम को एसु पुरः काजि को शोब्दों को, ओण्डोः वुडुङ को संताड़ा बिरहोरी खड़िया ओण्डो मुण्डा लोः ते दो 'पुरः जाति ते भिड़गे- मेनाः।
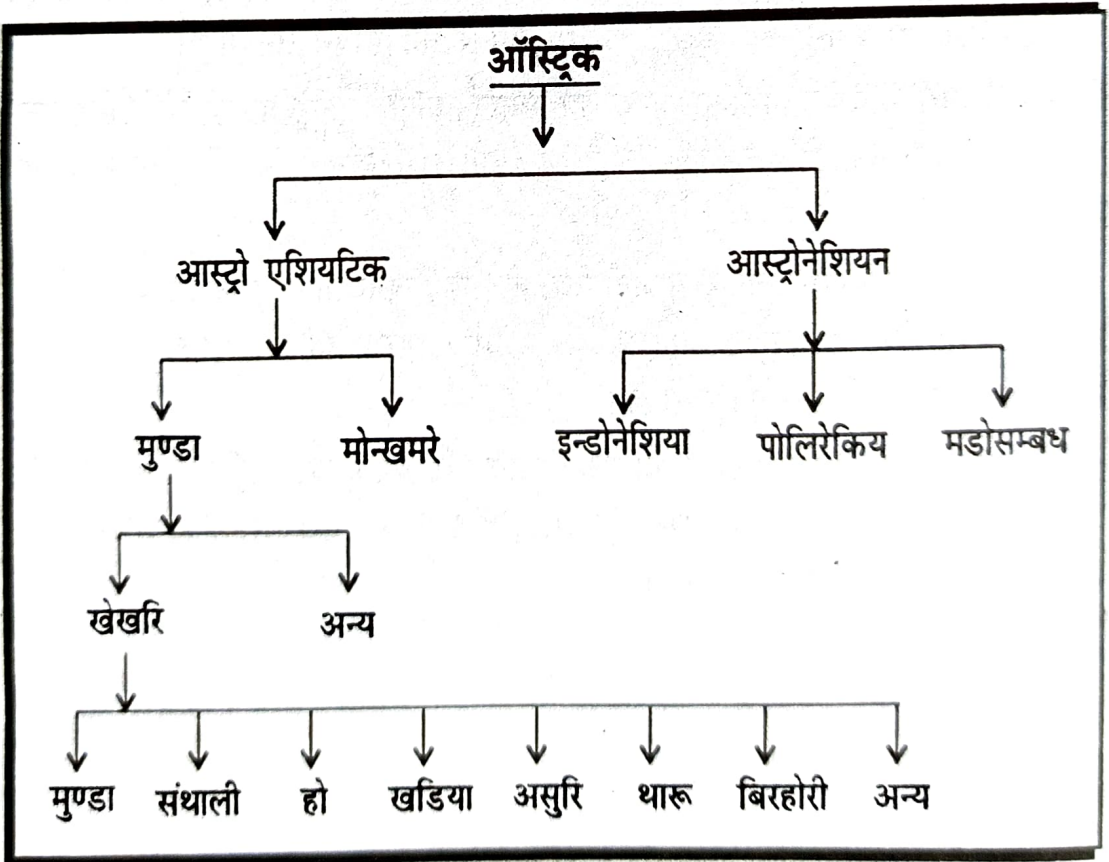
हो हयम रे पुरःते मुरा ते षुडुङ, मेनः चिलिका-दुरङ, कोरङ, देरङ एमन-एमनः तञः अञः, कञः।

नेना सुल्ल हुड़िङ पुडुङ (अल्पप्राण) रेयः चोलोन मेनः। चि.- प्रोटो, बालु, हाति एमन-एमनः।

हो हयम रे पाइटि-दोरकर लेकाते इपन-इपन शोब्दो को रेयः काजि मेनः। चि.-

काटना -
- इर
- गेड़
- हड़
- मःअ
- समःअ

नेन लेका ते हो हयम एसु सगड़ा गे ओण्डो सोंजे गे लेएम, लेवेः तबुःई ओण्डो ढगःअ मेन लेकाते ओर्तोःए जुजुतुइया।

हो भाषा की विशेषता

ओत् गोटा रे एसु पुरःअ् हयम को मनःअ्। दो हयम 'दिशुम गोटा रेयः पपरि ह्यम कोयते मियड् हो हयमोऽ पपरिह यम तना। हो हयम सिञ्यबुई गों'ड्' रेन हो होन कोवः हयम लेका एसु ममरं को पुरःअ् हयम को मेनः। हो हयम रेयः ममरङ को लतर रे ओल सेञ्जोकोवा कनाः-

⇒ हो हयम रेयः कजि षुडुङ (उच्चारण) रे दगः, लेबेः, लेएम मेनः।

Ex. — उरिः, सिलिः, सुरिः, ओटः एमन-एमन।

मेएड्, रेएड्

⇒ हो हयम रे पुरनःअ् ते मुरा। मुक्ते षुडुङ ओयुम नमोःवा

Ex. — दुरङ, कोरङ, सेरेङ, मिसिञ, तिसिञ एमन-एमन।

⇒ अपनः मान एमे लगिड् "अलिञ" शोब्दो रेयः चोलोन मेनः।

⇒ हो हयम रे एतङ षड़ि (अल्पप्राण) रेयः महोत परं मेनः।

बालु, हाति, पोटो

⇒ हो हयम रे इबिल/मरं - षड़ि बनोः मेन्दो कुरकुर ते कजि'इ रे मिसा-मिसा काजि ओल्ला।

Ex. — जु - झु कोड़म - खोड़म, तम - थम > एमन-एमन।

⇒ हो हयम देवनगरी लिपि ते ओले रे दो (्), (ऀ), (:), (ङ), (ञ) एमन लेकाते ओलेतेयः चोलोन मेनः।

:	-	अमः		-	अड्'	- हाँ'स
	-	गलं	ङ	-	दूरङ	हा'टो
ऀ	-	ओवाँ	ञ	-	अञ/इञ	
		रॉसा				

⇒ हो हयम आस्ट्रिक हयम गुटि रेयः हयम तना।

हो हयम व्हारङ चिति ओण्डोः देवनगरी तेगे ओलोःवा

⇒ नुइ ओण्डोः होरोः रेयः सगइ इंगिड् सोब्दो रे

(:) विषर्ग रयः ओनोल - चेलोन मेनः।

Ex. — लुकुवः -
सरजोमः-
अमः -
अः एयः-

⇒ हो हयम रेयः सोब्दो को नेवनागरी ते ओलेन मुचड़ रे (ा) ताइन रे'ए कजि षुड़ुङेना।

उका - उके
मुका - मुके
जन्डुका - जुन्डुके
दुरङ - देरेङ
कुला - कुले एमन-एमन।

⇒ हो हयम रे गोरपो/बोन्डो (उपसर्ग) ओण्डोः बोडोल/गो'म (प्रत्यय) बगे के'ते तो-डो/सनोरोः (मध्यसर्ग) रेयः चोलोन मेनः।

तम - तपम
हे'ड- हेपे'ड
तेगां- पेपेगा एमनः-एमनः।

⇒ हो हयम रे होरोः सोब्दो जिबोनन को लगिड् ते (इ) ओण्डोः का जिबोननः लगिड् रेयः चिने सोब्दो रेयः मूचड् चिति 'ए' गे होबाना।

⇒ हो हयम रे दोरकर हिसेब/लेकाते
इपन-इपन सोब्दो काजि को मेनः।

हड
गेडे
मः अ्
समःअ्, हेसे, तोपङ
} काटना

5. 'हो' हयम रेयः ममारङ

(हो भाषा की विशेषताएँ)

नेन दिसुम रे किलि-मिलि चि किसोम-किसोम हयम को मने:अ। सबिन हयम रेयः अपनः अपनः बिसिसना मेन:अ। हो हयम रेयो इसु पुरअः ममारड. चि बिसिसता को मेन:अ। कजि ले' रेदो हो हयम, मुण्डा हयम रेयः कोतो हटिड. तना। हो हयम रेयः ममारड. को लतर रे ओल अंका 'कन तेयः का नेल नमो:आ:-

1. हो हयम जो' जाति कोवः एंगा हयम (मातृभाषा) तना।
2. हो हयम मियड् दुपुब ओन्डोः अइदा (मुनुवः) हयम तना।
3. हो हयम रेयः सबिकोयते मरड. बिसिसता अपन ते मान मनातिञेन लागड्-''अलिञ'' सोब्दो रेयः बेबर होबा'ना।
4. हो' ऑस्ट्रोएशियटिक रे हुजुः हो हयम अश्लिष्ट योगात्मक हयम तना। नेन हयम रे बकाँ को रेयः बनइ रे नुई, होरो, बेदा, एना'यते कर्म (गुमिया) रेयः अयर चनब तन सबिन लेका'ते बेबर (प्रयोग) के'ते बकाँ बइ दइयो:वा।
5. आस्ट्रोएशियाटिक रे हुजुः हो हयम अश्लिष्ट योगात्मक हयम तना ने हयम रे बकाँ को रेयः बनइ रे नुई, होरोः, बेदा, एना'यते कर्म (गुमिया) रेयः अयर चनब तन सबिन लेका'ते बेबर (प्रयोग) के'ते बकाँ बइ दइयो:वा।

   चिलिका - पड़व तनञ ओन्डोः अञ पड़व तना।

   ओल तनालिञ ओन्डोः अलिञ ओल तना। एमन।
6. मिन्डो सोब्दो गे नुई, ओड़ोड़. ओन्डोः बेदा लेका'ते चोलोन रे अगु दइयो:वा। चिलिका-कजि (नुई), बुगिन कजि (ओड़ोड.), अ:ए कजि तना (बेदा) एमन।
7. हो हयम रे काकल्यस्पर्श ध्वनि (षड़ि) रेयः चोलोन मने:अ। एनते दगाः चि चेक्ड् साउण्ड ओन्डोः ग्लोटल स्टोप रेयः चोलोन मेन:अ। चिलिका- दअ:,सेत:, मरअ:, सरअ:, डरि: एमन।
8. हो हयम रे अनुनासिक्य षड़ि (ध्वनि) (Nasal Sound)-नेजल साउण्ड रेयः चोलोन को नेल नमो:अ। चिलिका- सिड.बोंगा, तुञ, अञ, सिलपिड., सेरेङ। एमन।
9. हो हयम रे हाइपोन सोब्दो रेयः चोलोन मेनः। सोब्दो रेयः चनब जाति पा रेयः चिति ष्डुड. का हपा उरा'ना चि का अयुम चिरगलोवः मेन्दो ओल ते उदुब दइयो:वा। चिलिका- बेरेड्, मेड्, मेएड्, अयुब्, रकब्। एमन

10. ष्डुड. (उच्चारण)/ कजि रे बिन्गा होबन रे सोब्दो गे इपनो:अ। जिलिड.गेचि-दुंगु:इ गे ष्डुड. होबन तन रे ओरतो समते बोदोल रेना'ना। चिलिका- मेड् ओन्डो: मेएड्, सेत: ओन्डो: सेता, गो'म ओन्डो: गोम। एमन।

11. एतड. षड़ि (अल्पप्राण) हो हयम रे ओल-तोलाकना।

चिलिका- अरिल,रिमिल, गमा। एमन।

12. हो हयम रे हिन्दी रेय: अघोष व्यंजन (अल्पप्राण) रेय: बेबर गे होबा'ना। मेन्दो कुर-कुर चि केड़े:ते कजिरे ओन्डो: दुरडे. कोरे मिसा-मिसा सघोष ध्वनि (महाप्राण) रेय: बेबर होबा'ना।

चिलिका- तममेयत्र-एतड. षड़ि (अल्पप्राण), जोमेम-झोमेम

थम मेयत्र-इबिलषड़ि (महाप्राण), तेतेम-थेरेम। एमन

13. हो हयम रे इबिल षड़ि (महाप्राणध्वनि) रेय: कोमि मने:अ। एनामेन्ते हिन्दी रेय: सोब्दो को नेलेका कजियो:वा। चिलिका- खाना-इबिल षड़ि (महाप्राणध्वनि), काना-एतड. षड़ि (अल्पप्राणध्वनि खेत-केत, भाप-बाप, छाता-चाता, भात-बात। एमन।

14. हो हयम रे ह्स्व ओन्डो: दीर्घ स्वर रेय: बेवारिक गोनोड. (व्यावहारिक मूल्य) मिड्गे चिरगलो: चि अटाकरो:वा। चिलिका ई'म, ईयल, ऐं'न। एमन।

15. हो हयम रे बुलिड् (लिंग) उपुनिया मेन:अ। चिलिका → हुलुइ (पु0) कोवा, सँडि, बोदा **हुला: बुलिड् (स्त्री)**-कटुलि, पटेया, गुंडि। **जातिया/ कुडु बुलिड्** (जाति लिंग)-हो, पटुवा, सेता, डॉक्टर, सिम। **गया बुलिड** (नपुंसक लिंग)- दिरि, गंडु, पुति (काजिबोनन)-निर्जीव। गया, बन्जि, बायदा (जिबोना नि:)-सजीव। हो हयम रे एंगा ओन्डो: सँडि ओल'के'ते को उदुबेया। चिलिका-एंगा सिम, एंगा सेता, सँडि कोंड़ो, सँडि मरअ:, सँडि बालु। एमन।

16. जिबोनन (सजीव) ओन्डो: का जिबोनन (निर्जीव) रेय: बकाँ को रेय: इपन-इपन लेका तेगे बेबर चि प्रयोग मेन:अ। जिबोनन ओन्डो: का जिबोनन रेय: बिन्गा चि परका 'ई' ते इंगुलो:अ।

चिलिका- करकोम बिला कना ओन्डो: गोनो करकोम बिलइ में, नेलिम ओन्डो: नेलेम, सवेम ओन्डो: सबि' में। एमन

17. परिवारिक सगइ इंगुल नुई रे एनड. बुलिड् (लिंग) भेद नेल नमो:य। चिलिका- एंगा, अपु, हेरेल, एरा, हाम-बुड़ि। एमन।

18. हो हयम रे लेकाय लिगड् दोंसि ओन्डो: बिसिया रेय: चोलोन मेन:अ। चिलिका- दोंसि बर टका, दोंसिमोय टका ओन्डो: दोंसि अइटका। एमन।

19. हो हयम रे एसकर इतड् (एकवचन), संगि इतड् (बहुवचन) लो:ते दाबड़ि इतड् (द्विवचन) रेय: चोलोन मेन:अ। चिलिका-अज, अलिञ, अले एनेते अम, अबेन, अपे ओन्डो: पटुवा, पटुवा किड., पटुवा को । एमन।

20. हो हयम रेय: सोब्दो कोरे ड., ञ, ऽ लेकन अनुनासिक्य ध्वनि को सोब्दो रेय: बेबर तला ओन्डो: चनब पारे बेवर होबा'ना। ड. ओन्डो:ञ चिति बिसिसता संतड़ा चि सेन तला हयम कोरे डंकुडु रे होबा'ना।

चिलिका- ओडम्, सिड.बोंगा, सिञबुई, सेतेड., तुरतुड., अञ, एमन।

संतड़ा हयम रेय: सोब्दो-उनदुब- ञेल (नेल) ञु (नु), ञम (नम) एमन।

21. हो हयम रेय: सोवदो को एसुते 'संस्कृत हयम' रेयो नेल नमो:अ। चिलिका- शकम-सकम, तात-तताड., मानव-मानवा, मसुर-मसुरी, प्रज्ञा- पोरजा, सिन्दुर-सिन्दुरी, पर्व-पोरोब, सूताम-सुतम, देशम-दिसुम, रस-रसि। एमन

22. कहो हयम रेय: षड़ि। सुर (ध्वनि) चि रूप तंत्र ओन्डो: वाकणा संस्कृत हयम लेका अटाकरो:व। नेना'ते पोरमानो: तना चि हो हयम जगा'रे हो' को संस्कृत कजि हो' कोलो: को तइकेना ओन्डो: अको लो:ते सगइ तइकेन गेया।

23. ओकोन सोब्दो के हिन्दी ओन्डो: अंग्रेजी हयमे'ते हो रे हुजु:अ कना, एना केरि व्यंजन ओन्डो: स्वर रेय: षड़ि तोंतोर (ध्वनि तंत्र) रेय: बिन्गा होबन ते एट: लेका कजियो:वा। एन सोब्दो को रेय: ओरतो दो का बोदोलेना। चिलिका-युग-जुग, वकील-उकिल, वजन-ओजोन, बंश-बोंस, स्टेशन-टेसोन, ट्रेन-टेरेन, काँपी-कोपि, नोटिस-नोटिसि, एमन।

24. हिन्दी रेय: घोषध्वनि को हो हयम रे अधोष ध्वनि लेका चोलोन रे हुजु:अ। चिलिका- सुख-सुकु, ढेला-टेला, झील-जिंल। एमन।

25. ही हयम रेय: ओसोल चि मुड़ सोब्दो को कजि-जगर चि मौखिक रूप ते पुर: ते मेनअ:। नेन जगर ओतोड. रेय: ममारड. तेगे हो हयम सिदे-मुनु सोमये'तेगे निमि'रो नेल नमो:अ।

26. (क) हो हयम रे तला चि (मध्य) रे गोम (प्रत्यय) रेय: चोलोन मेनन:

चिलिका- सोब्दो रे 'प' लगाव केरे- अजोम-अपाजोम, जगर-जपागर, नेल-नेपेल, तम-तपम, तुञ-तुपुञ। एमन।

(ख) हो हयम रे 'बिलियुर' सोब्दो को रेय: चोलोन मनेअ:।

चिलिका- होन-पोन, ओए-पोए, जोम-पोम, नु-पु, ओड़ा-पोड़ा। एमन।

27. हो हयम रे इपन-इपन बेदा चि (क्रिया) सोब्दो लगिड् इपन-इपन गे सोब्दो को चोलोन रे मेनअ:। हिन्दी हयम रेय: 'काटना' लगिड्- 'बेदा'।

चिलिका- मअ: - कुल्हाड़ी से काटना	हेसे- वृक्ष की टहनी काटना
हड् - छुरी से काटना	लटब/रचम- कैंची से काटना
इर - हँसुआ से काटना	समः- मांस को छोटा-छोटा काटना।
गेर - हँसुआ से काटना	गेड्- सब्जी या मांस काटना

28. हो हयम रे जो, बा' चि आम: उतु को लगिड् इपन-इपन बेदा (क्रिया) सोब्दो को मेनअ:।

चिलिका- सकम हे:ए- पत्ता तोड़ना, बाटोटे- फूल तोड़ना, जो गोड्- फल तोड़ना, आ'अ:सिड्- साग तोड़ना, होड्-मुनगा साग या अन्य साग तोड़ना। एमन

29. हो हयम रे चटु रपुड् (घड़ा का टूटना (फूटना) के लिए (लगिड्) इपन-इपन बेदा चि (क्रिया) सोब्दो को इपन-इपन रूप ते कजियो: तना। चिलिका- रपुड्-घड़ा का टूटना, केच:- घड़ा का अग्र भाग टूटना, बु:- घड़ा का छेद हो जाना, चट:- घड़ा में दरार हो जाना, रसुम-घड़ा का टुकड़ा-टुकड़ा हो जाना, होच: घड़ा का अग्र भाग (गर्दन) से उखड़ जाना। एमन।

30. हो हयम रे सबिकोयते मरङ. बिसिसता मेनअ: चि-हो हयम प्राकृति ओन्डो: मुनु हयम (अतिप्राचीनतम भाषा) तना, नेन रेय: पोरमान नेल नमो:अ। चेंणे-ओए चि जिउ-जोन्तु कोव: कजि। ञपागर चि अकोअ: राअ:ते अयुमो:अ।

चिलिका - को:- को: -को:, काअ: - काअ:/काँव-काँव,

तोवउ- तोवउ-तोवउ, केरेयड्- केरेयड्-केरेयड्

डुर-डुर-डुर ...., कुड्- कुड्-कुड्। एमन

31. हो हयम रे सेल्ल चिति। जुड़ चिति (मिश्राक्षर ओन्डो: संयुलाक्षर) चिति 'क्ष, ज्ञ, ब' रेय: बेबर (प्रयोग) का होबा'ना। नेन चिति कोरेय बेबर नेलेका होबा'ना।

चिलिका- क्ष = क्षमा -चमा, ज्ञ = ज्ञान- गेयन

त्र = त्रिशुल-तिरसुल, पवित्र -पवितर

त्र = यात्रा-जतरा, ज्ञ= यज्ञ - जग। एमन।

32. हो हयम रेयः लिपि 'बारड. चिति' (देवाँ तुरी) तिकिड. अकिअः अध्यात्मिक गेयन चि पे:ए तिकिड. बइ लेडा। एन चनब कोल गुरू लको बोदरा तिकिड. हिड्नम, पंजा नम चि सुटिः नम केडेते बेरेड्-बिरिड् को होबा'यना। हो हयम चि बारड. चिति रेयः नितिर-पिन्तिर अबुअः हुदा रे होबन तन गेया। अबुअः हो हयम रे बेरेड्-बिरिड् बारड. चिति ओन्डोः देवनागरी लिपि, एनेते रोमन (अँग्रेजी) उड़ीसा, बंगला हयम ते संगेन चि हरा-मरड. इदिन तना। सरिगे! हो हयम रेयः ममारड. चि बिसिसता, हो हुदा तला-मला रे नेल नमोः तन गेया।

नोट -

वारड.चिति (लिपि) का महान जनक, निर्माता, आविष्कारक एवं लिपिकार आयुर्वेद के जनक भगवान धनवन्तरि के समकक्ष व अवतार माने आने वाले "देवाँ तुरी" ने इस आध्यात्मिक बारड. चिति (लिपि) को (6 हजार ईसा पूर्व) हो समुदाय के लिए बनाया था। कालांतर में बहुत उतार-चढ़ाव होता रहा, हजारों वर्ष गुजरते गये, 20वीं सदी आ पहुँचा। उसी देवाँ तुरी का अवतार माना जा सकता है- पं. लको बोदरा को जो वारड. चिति (लिपि) का आधुनिक जनक। अन्वेषक, खोजकर्ता व आधुनिकरण कर सही दशा और दिशा। 1940-60 के मध्य समाज के समक्ष रखा और हो समुदायों का एक नया पहचान/ विरासत/ धरोहर के रूप में गौरंवित किया।

◆◆◆